पुनना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VIII
Hindi
Specimen copy
Year- 2021-22
Month-April, May

अनुक्रमणिका

क्रम . नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	* कविता-1 ध्वनि * पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ * भारत की खोज पाठ -1 * व्याकरण – भाषा ,लिपि , बोली और व्याकरण * लेखन विभाग – निबंध , कहानी लेखन

क वता -1 ध्वनि

(क व - सूर्यकांत त्रिपाठी)

क वता का सार

क व मानते हैं क अभी उनका अंत नहीं होगा। अभी-अभी उनके जीवन रूपी वन में वसंत रूपी यौवन आया है।क व प्रकृति का वर्णन करते हुए कहते हैं क चारों ओर वृक्ष हरे-भरे हैं,पौधों पर क लयाँ खली हैं जो अभी तक सो रही हैं।क व कहते हैं वो सूर्य को लाकर इन अलसाई हुई क लयों को जगाएँगे और एक नया सुन्दर सवेरा लेकर आएंगे। क व प्रकृति के द्वारा निराश-हताश लोगों के जीवन को खु शयों से भरना चाहते है। क व बड़ी तत्परता से मानव जीवन को संवारने के लए अपनी हर ख़ुशी एवं सुख को दान करने के लए तैयार हैं। वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इ सलए वे कहते है क उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक वो सबके जीवन में खु शयाँ नहीं लादेते।वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इ सलए वे कहते है क उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक वो सबके जीवन में खु शयाँ नहीं लादेते।

➢ नए शब्द

1) मृदुल
2) पात
3) कोमल
4) गात
5) निद्रित
6) प्रत्युष
7) मनोहर
8) तंद्रालस
9) सहर्ष

➢ शब्दार्थ

1) अंत: समाप्ति
2) पात: पत्ता
3) गात: शरीर
4) पुष्प: फूल
5) तंद्रालस: नींद से अलसाया हुआ
6) लालसा: लालच
7) नव: नये
8) अमृत: सुधा
9) सहर्ष: ख़ुशी के साथ
10) सींच: संचाई
11) द्वार: दरवाज़ा
12) अनंत: जिसका कभी अंत न हो
13) अंत: खत्म
14) कर: हाथ
15) क लयों: थोड़ी खली क लयाँ
16) प्रत्यूष: सवेरा

➢ सही वकल्प चुनकर ल खए |

1) ‘ध्वनि’ क वता के रचयिता निम्न ल खत में से कौन हैं?

(a) रामधारी संह ‘दिनकर’
(b) सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’
(c) रामचंद्र तिवारी
(d) प्रभुनारायण

2) इस काव्यांश की क वता का नाम है-

(a) वसंत
(b) ध्वनि
(c) सवेरा
(d) मनोहर

3) अभी कसका अंत न होगा?

(a) वसंत का
(b) क व के जीवन का
(c) प्रभाव का
(d) क लयों का

4) क व पुष्य-पुष्प से क्या खींच लेना चाहता है?

(a) मठास
(b) पराग
(c) खुशबू
(d) तंद्रालस लालसा

5) ‘क लयाँ’ कसका प्रतीक हैं?

(a) नवयुवकों का
(b) फूलों का
(c) वसंत का
(d) प्रातः काल का

6) क व पुष्पों को सहर्ष कससे सींचना चाहता है?

(a) नवजीवन के अमृत से   (b) नवजीवन के जल से

(c) नवजीवन की वर्षा से   (d) इनमें से कोई नहीं

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर ल खए |

1) अभी न होगा मेरा अंत' क व ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर - 'अभी न होगा मेरा अंत' क व ने ऐसा इस लए कहा है, क्यों क वे बताना चाहते हैं क अभी अंत नहीं होने वाला है। अभी अभी तो वसंत का आगमन हुआ है जिससे उसका जीवन खु शयों से भर गया है। वह उमंग से भरा हुआ है।

2) 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति से आशय क्या है?

उत्तर - वन में मृदुल वसंत का अ भप्राय है- वन रूपी जीवन में वसंत का आगमन होना है।

3) क व पर वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है?

उत्तर - वसंत के आगमन पर पेड़ों पर नए-नए, हरे-हरे पत्ते निकल आते हैं। नई-नई डा लयाँ निकल आती हैं जिन पर कोमल क लयाँ निकल आती हैं जिससे क व का जीवन खु शयों से भर गया है। क व उमंग से भरा हुआ है।

4) वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

उत्तर - वन क व के जीवन रूपी उपवन का और निद्रित क लयाँ-आलस्य में डूबे हुए नवयुवकों का प्रतीक है।

5) क व पुष्पों को कस रूप में देखता है और इनमें क्या परिवर्तन चाहता है?

उत्तर -क व को पुष्प आलसी तथा नींद से बो झल दिखाए पड़ रहे हैं। अपने स्पर्श से पुष्पों की नींद भरी आँखों से आलस्य छीन लेना चाहता है, यानी क व उनका आलस्य दूर कर उन्हें चुस्त और जागरूक बनाना चाहता है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर ल खए |

1) वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उत्तर- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्यों क यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों, पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू-कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है।

- व्याकरण

- भाषा , लिपि और व्याकरण

भाषा - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।

भाषा के रूप- भाषा के दो रूप हैं-

1) **मौखिक भाषा** – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2) **लिखित भाषा** – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

- **लिपि** – भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

- **व्याकरण** – व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली- भाँति समझाना।
  - भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

1. भाषा कहते हैं
   (i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को (ii) लिखने के ढंग को
   (iii) भाषण देने की कला को (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
   (i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को (ii) मौखिक भाषा को
   (iii) भाषा के लिखने की विधि को (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ____ कहते हैं?
   (i) सांकेतिक भाषा (ii) लिखित भाषा
   (iii) मौखिक भाषा (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
   (i) लिपि को समझना (ii) विचारों का लिखित रूप
   (iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना

5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?

(i) अंग्रेजी (ii) फ्रेंच

(iii) उर्दू (iv) संस्कृत

लेखन -विभाग

मेरा प्रय खेल पर निबंध

- खेल कई प्रकार के होते हैं । कक्ष के भीतर खेले जाने वाले खैलों को इनडोर गेम्स कहा जाता है, जबकि मैदान पर खेले जाने वाले खेल आउटडोर गेम्स कहलाते हैं । अलग-अलग प्रकार के खेल व्यायाम के महत्त्वपूर्ण अंग है । अत: अपनी रुचि एवं शारीरिक क्षमता केअनुकूल ही खेलों का चयन करना चाहिए । खेलकूद आज विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सांस्कृतिक मेल-जोल बढ़ाने का एक उत्तम माध्यम बन गया है ।

- मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है । आधुनिक युग में इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है । भारत में यह खेल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है । इस खेल से लोगों को अद्‍भुत लगाव है । क्या बच्चे, क्या बूढे, क्या नवयुवक, सभी इसके दीवाने हैं ।क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । इंग्लैण्ड से ही यह खेल रुलिया पहुँचा, फिर अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । यह खेल नियमानुसार सर्वप्रथम 1850 ई. में गिलफोर्ड नामक विद्‍यालय में खेला गया था । क्रिकेट का पहला टैस्ट मै1877 ई. में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न शहर में खेला गया था। भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैण्ड के विरुद्ध सन् 1932में खेला था । टेस्ट मैच पाँच दिनों का होता है जो दो पारियों में खेला जाता है ।

- क्रिकेट का खेल बड़े-से अंडाकार मैदान में खेला जाता है । जीत-हार का फैसला रनों के आधार पर होता है । आरंभ में क्रिकेट को राजा-महाराजाओं या धनाढ्‍य लोगों का खेल कहा जाता था । वे अपने मन-बहलाव के लिए यह खेल खेला करते थे । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया, परंतु हाँकी के साथ-साथ क्रिकेट भी लोकप्रिय होता चला गया । इस खेल में समय और धन अधिक लगता है फिर भी आज यह शहरों से लेकर गाँवों तक प्रसिद्धि पा चुका है ।

- क्रिकेट में मिली जीत से लोग खुश होकर सड़कों पर नाचने लगते हैं । यह केवल मेरा ही नहीं, मेरी तरह करोड़ों भारतवासियों का सबसे पसंदीता खेल है ।

* गतिविधि – कविता में दिया गया चित्र बनाए |

पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ

(लेखक – कामतनाथ)

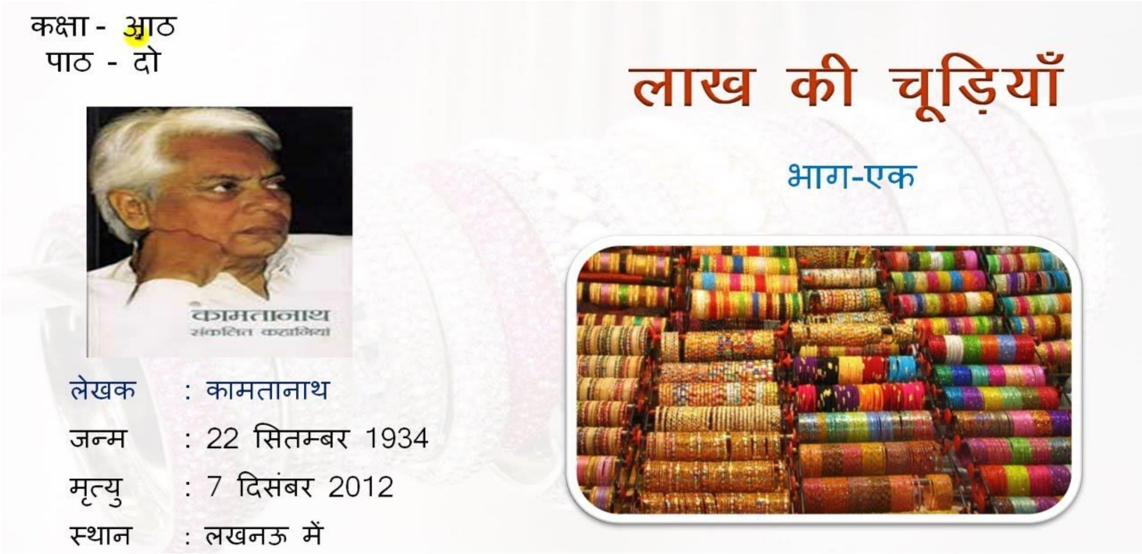

➢ लाख की चूड़ियाँ पाठ सार

इस पाठ के द्वारा लेखक कहते हैं कि बदलते समय का प्रभाव हर वस्तु पर पड़ता है। बदलू व्यवसाय से मनिहार है। वह अत्यंत आकर्षक चूड़ियाँ बनाता है। गाँव की स्त्रियाँ उसी की बनाई चूड़ियाँ पहनती हैं। बदलू को काँच की चूड़ियों से बहुत चिढ़ है। वह काँच की चूड़ियों की बड़ाई भी नहीं सुन सकता तथा कभी-कभी तो दो बातें सुनाने से भी नहीं चूकता ।लेखक अकसर गाँव जाता है तो बदलू काका से जरूर मिलता है क्योकि वह उसे लाख की गोलियां बनाकर देता है। परन्तु अपने पिता जी की बदली हो जाने की वजह से इस बार वह काफी दिनों बाद गाँव आता है।वह वहां औरतों को काँच की चूड़ियाँ पहने देखता है तो उसे लाख की चूड़ियों की याद हो आती है वह बदलू से मिलने उसके घर जाता है।बातचीत के दौरान बदलू उसे बताता है कि लाख की चूड़ियों का व्यवसाय मशीनी युग आने के कारण बंद हो गया है और काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ गया है।इस पाठ के द्वारा लेखक ने बदलू के स्वभाव, उसके सीधेपन और विनम्रता को दर्शाया है। अंत में लेखक यह भी मानता है कि काँच की चूड़ियों के आने से व्यवसाय में बहुत हानि हुई हो किन्तु बदलू का व्यक्तित्व काँच की चूड़ियों की तरह नाजुक नहीं था जो सरलता से टूट जाए।

➢ नए शब्द

1) लाख	2) मनिहार
3) पैतृक	4) खपत
5) पगड़ी	6) सलाख

7) मचिये　　　　8) चाव

9) मोह　　　　10) दहकती

➢ शब्दार्थ

1) लाख – लाह
2) सहन – आँगन
3) मनिहार– चूड़ी बनाने वाला
4) पैतृक – पिता सम्बन्धी
5) वास्तव – हकीकत
6) खपत – बिक्री
7) ढेरों – बहुत सारा
8) पगड़ी – पग
9) वृक्ष – पेड़
10) भट्टी – अँगीठी
11) दहकती –जलती
12) चौखट – लकड़ी का चौकोर टुकड़ा
13) सलाख – धातु की छड़
14) मुँगेरियाँ – गोल लकड़ी
15) मचिये – चौकोर खाट
16) चाव – ख़ुशी
17) मोह – आकर्षित

➢ सही वकल्प चुनकर ल खए |

1) बंदलू कैसी चूड़ियाँ बनाता था?

(a) काँच की　　(b) सोने की

(c) लाख की　　(d) चाँदी की

2) बदलू कौन था?

(a) लोहार　　(b) सुनार

(c) मनिहार　　(d) बढ़ई

3) लेखक अधिकतर बदलू से कब मिलता था?

(a) रात में　　(b) सवेरे

(c) दोपहर में　　(d) शाम में

4) बदलू प्रतिदिन कितनी चूड़ियाँ बना लिया करता था?

(a) तीन-चार जोड़े　　(b) चार-पाँच जोड़े

(c) चार-छह जोड़े　　(d) छह-सात जोड़े

5) बेलन पर चढ़ी चूड़ियाँ बदलू को कैसी लगती थी?

(a) नई जैसी　　(b) नारी की कलाइयों जैसी

(c) बहुत सुंदर　　**(d)** नववधू की कलाई पर सजी जैसी

6) पिता की बदली होने का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

(a) वह उदास हो गया　　**(b)** वह मामा के घर न जा सका

(c) उसे नए मित्र मिले　　(d) मामा का घर नजदीक हो गया

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर ल खए |

प्रश्न-1 इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर - इस कहानी के लेखक कामतानाथ जी हैं।
प्रश्न-2 रज्जो कौन थी?
उत्तर - रज्जो बदलू की बेटी थी।
प्रश्न-3 लेखक ने पाठ में अपना क्या नाम बताया है?
उत्तर - लेखक ने पाठ में अपना नाम जनार्दन बताया है।
प्रश्न-4 बदलू को संसार में किस चीज़ से चीढ़ थी?
उत्तर - बदलू को संसार में सबसे ज़्यादा काँच की चूड़ियों से चीढ़ थी।
प्रश्न- 5 बदलू का स्वभाव कैसा था?
उत्तर - बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था क्योंकि लेखक ने कभी भी उसे झगड़ते नहीं देखा था।
प्रश्न-6 बदलू अपना कार्य किस चीज़ पर बैठ कर करता था?
उत्तर - बदलू अपना कार्य एक मचिये पर बैठ कर करता था जो की बहुत पुरानी थी।
प्रश्न-7 गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर कहाँ बीतता?
उत्तर - गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता।
प्रश्न-8 बदलू कौन था?
उत्तर -बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनता था।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर ल खए |

प्रश्न-1 सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी क्यों लगता था?
उत्तर-सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी इसलिए लगता था क्योंकि वह लेखक को सुंदर - सुंदर लाख की गोलियाँ बना कर देता था।
प्रश्न-2 लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने क्या परिवर्तन देखा?
उत्तर - लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थीं।
प्रश्न-3 विवाह के अवसर पर बदलू को क्या - क्या मिलता था?
उत्तर - विवाह में उसके बनाए गए सुहाग के जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उस घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रूपये मिलते।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर ल खए |

प्रश्न-1 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' – इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?
उत्तर - 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं'- इस पंक्ति में लेखक ने मशीनों के प्रयोग के कारण समाज में बढ़ती बेरोज़गारी और बेकारी की समस्या की ओर संकेत किया है।

मशीनीकरण के कारण हस्तशिल्प पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कारीगरों के पैतृक व्यवसाय बंद हो गए। लोग बेरोज़गार हो गए। मशीनों के आगमन से कारीगरों की रोज़ी रोटी का साधन ख़त्म हो गया।

प्रश्न-2 मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर - मशीनी युग के कारण बदलू का सुखी जीवन दुःख में बदल गया था। गाँव की सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थी। बदलू की कला को अब कोई महत्व नहीं देता था। उसकी चूड़ियों की माँग अब नहीं रही थी। उसका व्यवसाय ठप पड़ गया था। शादी ब्याह से मिलने वाला अनाज, कपडे तथा अन्य उपहार उसे अब नहीं मिलते थे। उसकी आर्थिक हालत बिगड़ गई जिससे उसके स्वास्थ पर भी बुरा असर पड़ा।

व्याकरण

- **अलंकार की परिभाषा** – अलंकार दो शब्दों के योग से बना है –
  - → "अलंकार" शब्द का अर्थ है – "आभूषण" |
  - → काव्य की शोभा बढ़ाने वाले गुण को अलंकार कहते है

- **अलंकार के भेद**

अलंकार के भेद मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं|

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार

1) शब्दालंकार - काव्य में शब्दों के विशिष्ट प्रयोग से सौंदर्य और चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ शब्दालंकार होता है |जैसे :

उदाहरण- कनक – कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय |

2) अर्थालंकार- जहाँ कविता की पंक्ति में अर्थ के कारण विशेष सौंदर्य या चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ अर्थालंकार होता है |

लेखन - वभाग

कहानी लेखन

संकेत

एक किसान के लड़के लड़ते- किसान मरने के निकट- सबको बुलाया- लकड़ियों को तोड़ने को दिया- किसी से न टूटा- एक-एक कर लकड़ियों तोड़ी- शिक्षा। उपर्युक्त संकेतों को पढ़ने और थोड़ी कल्पना से काम लेने पर पूरी कहानी इस प्रकार बन जायेगी-

एकता

एक था किसान। उसके चार लड़के थे। पर, उन लड़कों में मेल नहीं था। वे आपस में बराबर लड़ते-झगड़ते रहते थे। एक दिन किसान बहुत बीमार पड़ा। जब वह मृत्यु के निकट पहुँच गया, तब उसने अपने चारों लड़कों को बुलाया और मिल-जुलकर रहने की शिक्षा दी। किन्तु लड़कों पर उसकी बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तब किसान ने लकड़ियों का गट्ठर मगाया और लड़कों को तोड़ने को कहा। किसी से वह गट्ठर न टूटा। फिर, लकड़ियाँ गट्ठर से अलग की गयीं। किसान ने अपने सभी लड़कों को बारी-बारी से बुलाया और लकड़ियों को अलग-अलग तोड़ने को कहा। सबने आसानी से ऐसा किया और लकड़ियाँ एक-एक कर टूटती गयीं।
अब लड़कों की आँखें खुलीं। तभी उन्होंने समझा कि आपस में मिल-जुलकर रहने में कितना बल है।

शिक्षा – एकता में ही बल हैं |

- गतिविधि – पाठ में बताए गए लाख की चूड़ियों का अथवा बदलू काका का चित्र बनाए|

भारत की खोज

पाठ -1 अहमदनगर का कल्ला

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) नेहरुजी की यह कौन -सी जेल यात्रा थी ?
- नेहरुजी की यह नौवीं जेल यात्रा थी |

2) अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने कौन -सा कार्य आरंभ कर दिया ?
- अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने बागबानी करने का कार्य आरंभ कर दिया

3) नेहरुजी का कितना समय बागबानी में बीतता था?
- नेहरुजी कई घंटो तक बागबानी का कार्य करते थे |

4) अहमदनगर के किल्ले के साथ जुड़ी हुई किस ऐतिहासिक घटना का जिक्र है ?
- अहमदनगर के किल्ले से जुडी चाँद बीबी नामक साहसी महिला की कहानी का जिक्र है |

5) नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठा ली ?
- जेल के अधिकारी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देते थे , इसलिए नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम उठा ली |

6) गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था ?
- गेटे के अनुसार – " ऐसा इतिहास -लेखन अतीत के भारी बोझ से किसी सीमा तक राहत दिलाता है "|

7) नेहरुजी ने अपनी विरासत किसे माना है ?
- विषय की कठिनता और जटिलता को नेहरुजी ने अपनी विरासत माना है |

8) " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने कब और कहाँ लिखी थी ?
- " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने 13 अप्रैल , 1944 में लिखी थी |

9) अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी कैसी थी और इसको किसने उपजाऊ बना दिया ?
- अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी बहुत खराब थी – पथरीली और पुराने मलबे और अवशेषो से भरी हुई |

10) बागबानी के लिए खुदाई करते समय नेहरुजी को क्या मिला ?
- बागबानी के लिए खुदाई करते समय प्राचीन दीवारों के हिस्से और इमारतों के ऊपरी हिस्से मिले |

11) इस किल्ले की रक्षा के लिए किसने किसके विरुद्ध अपनी सेना का नेतृत्व किया ?
- इस किल्ले की रक्षा के लिए चाँद बीबी नाम की एक महिला ने अकबर की शाही सेना का विरुद्ध किया |